पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

अमिताभ बच्चन की पड़ोसी बनीं कृति सेनन

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 110 ■ शुक्रवार, 12 जुलाई 2024 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

आईनेंस में हुई हत्या का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने शातिर हत्यारे को पुणे से पकड़ा

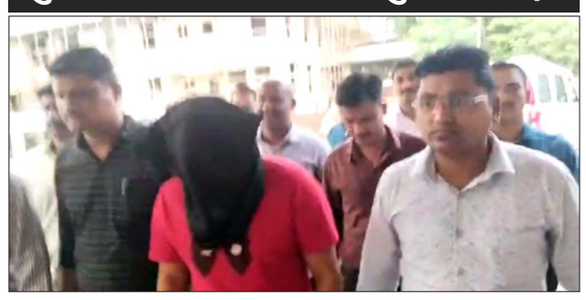

7 दिन की रिमांड पर

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पुलिस ने गत दिनों आर्डनेंस परिसर में हुई हत्या के आरोपी को पुणे से पकड़ा है. अंबरनाथ पुलिस की इस बेहतरीन कार्य पर पुलिस आयुक्त ने पुलिस निरीक्षक कलसकर को शाबाशी देते हुए उनको और जांच जीम के लिए इनाम घोषित किया है. 23 जून को रात में आर्डनेंस इस्टेट परिसर में बैल गोटा के पास जावसाई गांव निवासी सचिन भोसले की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी. सचिन के पिता की शिकायत पर पुलिस ने दफा 302 का अपराध अज्ञात हत्यारे के खिलाफ दर्ज किया था. जांच के लिए चालाक हत्यारे ने कोई निशान या सबूत नहीं छोड़ा था.

पुलिस आयुक्त सुधाकर पाठारे ने पत्रकारों को बताया कि पुलिस जांच टीम ने आर्डनेंस फैक्टरी के मुख्य गेट पर लगाए हुए सीसीटीवी फुटेज को खंगाला. उसमें आरोपी मास्क लगाया हुआ दिखाई दिया. ये हत्यारा गेट से बाहर जाते हुए भी दिखाई दिया. उस समय उसके मुंह पर मास्क नहीं था. एक साक्षीदार ने आरोपी को पहचान कर बताया कि ये सचिन का मित्र प्रवीण चितोडिया

मृतक सचिन भोसले

है. उसने उसका मोबाइल नंबर दिया. मोबाइल का लोकेशनि ता. मुलशी, जिला पुणे बता रहा था. वहां से आरोपी को पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में गिरफ्तार किया.

आरोपी ने पुलिस को बताया कि सचिन के एलआईसी की रकम वह मासिक रूप से भर रहा था, जिसमें वह नॉमिनी भी है. हफ्ते की रकम आरोपी ने सचिन से मांगा. उस पर से विवाद बढ़ा और प्रवीण ने सचिव के गले पर चाकू से वार करके हत्या कर दी. आरोपी को पुलिस ने सात दिन के रिमांड पर ले लिया है. पत्रकार परिषद में पुलिस उपायुक्त जोन-4 सुधाकर पठारे, सहायक पुलिस आयुक्त सुरेश वराडे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जगन्नाथ कलसकर, शिंदे, पाटिल आदि उपस्थित थे. आरोपी प्रवीण चितोडिया (28) कुछ वर्षों पूर्व पुणे में एक अपहरण के मामले में भी गिरफ्तार हो चुका है.

जिले में डेंगू-मलेरिया का प्रकोप बढ़ा

- बदलापुर में डेंगू के 12 मरीज
- मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी
- प्रशासन ने सावधानी बरतने का किया आह्वान

ठाणे. एक ओर जहां जिले में बारिश तेज हो रही है, वहीं विभिन्न शहरों में डेंगू और मलेरिया के मरीजों की संख्या में भी बढ़ोतरी हो रही है. पिछले कुछ दिनों में ठाणे जिले में 32 से अधिक मरीजों का पंजीकरण किया गया है। अकेले बदलापुर शहर में 12 डेंगू मरीज सामने आए हैं. मरीजों की संख्या इससे अधिक होने की आशंका है. इसलिए प्रशासन नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील कर रहा है.

पिछले कुछ दिनों में ठाणे जिले में बारिश में तेजी आई है। इसलिए, जिले में जल भंडार धीरे-धीरे बढ़ रहा है। बारिश के कारण खुले और निचले इलाकों में भी पानी जमा हो जाता है. वहीं, शहर के रिहायशी इलाकों, खुले, निचले इलाकों, निर्माणाधीन इमारतों, जर्जर और बंद घरों में भी पानी भर रहा है. परिणाम स्वरूप मच्छरों का प्रजनन बढ़ गया है और बीमारी फैलने लगी है। देखा गया है कि पिछले कुछ दिनों से जिले में डेंगू और मलेरिया के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है. पिछले एक महीने में ठाणे जिले में 32 मरीज सामने आए हैं। इनमें डेंगू जैसे मरीजों की संख्या ज्यादा है।

चूंकि कई लोग लक्षण दिखने पर निजी स्तर पर इलाज करा रहे हैं, इसलिए उनमें से कई स्थानीय मनपा प्रशासन के साथ पंजीकृत नहीं हैं। जिला स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी है कि पिछले एक सप्ताह में ठाणे जिले में डेंगू के 10 मरीज सामने आए हैं. लेकिन वहीं, कुलगांव बदलापुर नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग में अकेले बदलापुर शहर में 12 डेंगू मरीज सामने आए हैं. इसलिए जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या अधिक होने की संभावना है. यह बात भी सामने आई है कि एक ही घर में एक से अधिक मरीज पंजीकृत किए गए हैं। इसलिए डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ने की आशंका है. जिले में मलेरिया के मरीजों की संख्या भी 20 तक पहुंच गयी है. इसलिए प्रशासन सावधानी बरतने की अपील कर रहा है.

रैपिड फीवर सर्वे...

जिला स्वास्थ्य विभाग महामारी रोगों के प्रसार को रोकने के लिए विभिन्न उपायों को लागू कर रहा है। इसके तहत बुखार फैलने वाले स्थान पर रैपिड फीवर सर्वे कराया जा रहा है। यदि कोई मरीज सर्दी बुखार से संक्रमित पाया जाता है, तो उनके परिवार के सदस्यों को भी रक्त परीक्षण के लिए भेजा जा रहा है। जबकि भिवंडी में दूसरे शहरों से काम के लिए आने वाले मजदूरों की संख्या अधिक है. इन मजदूरों का भी सर्वे किया जा रहा है. ग्रामीण इलाकों में नालों और तालाबों में गप्पी मछली छोड़ी जा रही है. ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक गप्पी मछली प्रजनन केंद्र क्रियान्वित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग निरीक्षण तक ही सीमित

देखा जा रहा है कि जिले की सभी नगर पालिकाओं में स्वास्थ्य विभाग डेंगू के मरीजों की जांच करने और मरीजों व उनके परिजनों को सलाह देने तक ही सीमित है. मामले की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य टीम मरीज के घर जाती है और जमा पानी की जांच करती है. यदि कुंडी, पानी का बर्तन मिलता है तो मरीज के परिवार को सूचित किया जाता है। हालांकि, इसके साथ ही नागरिकों की शिकायत है कि निर्माणाधीन इमारतों और इमारतों के बगल में बने पोखरों के मालिकों को उनकी बात समझ में नहीं आ रही है.

अंबरनाथ नपा अधिकारी के साथ केबिन में मारपीट

- नपा अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया पेन डाउन आंदोलन
- आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज

यूसुफ शेख

सचिन गायकवाड़

प्रवीण गोसावी

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद के बाजार विभाग के अधिकारी सचिन गायकवाड़ को वंचित बहुजन आघाड़ी के पूर्व अध्यक्ष प्रवीण गोसावी द्वारा शहर के होर्डिंग हटाने को लेकर गालीगलौज, धक्का-मुक्की व मारपीट करने के खिलाफ नपा के सभी विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों ने दोपहर से शाम तक पेन डाउन आंदोलन किया. 200 के करीब कर्मचारियों व अधिकारियों ने अतिरिक्त मुख्याधिकारी अभिषेक पराडकर के साथ अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में जाकर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कसलकर से मुलाकात करके आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा.

विदित हो कि ये वही प्रवीण गोसावी है, जिन्होंने कुछ वर्ष पूर्व अंबरनाथ में मंत्री रामदास आठवले को थप्पड़ मारा था. उसने फिर नपा के अधिकारी को मारा और कानून को हाथ में लिया.अंबरनाथ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है.

गुरुवार दोपहर 12 बजे की ये घटना है. प्रवीण गोसावी अधिकारी सचिन के केबिन में गए और उनसे पूछा कि हुतात्मा चौक का बड़ा होर्डिंग उन्होंने अभी तक क्यों नहीं हटाया. इस पर विवाद हो गया और गोसावी ने सचिन का कॉलर पकड़ कर खींचा, शर्ट फाड़ दिया, गालीगलौज की और उन्हें मारा. ऐसा पुलिस में अपराध दर्ज किया गया है.

अधिकारी को मारने के बाद नपा के सभी विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों ने पेन डाउन आंदोलन करके कामकाज बंद करके पराडकर के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन गए. पुलिस ने कई धाराओं के अनुसार प्रवीण पर अपराध दर्ज कर लिया है.

प्रवीण गोसावी ने अपने खुलासे में कहा है कि सचिन ने उन पर पहले हाथ उठाया था. इसलिए उन्होंने उसे मारा है. होर्डिंग हटाने की बात को लेकर ये झगड़ा हुआ है. नपा कामकाज शाम तक बंद रहा.

उल्हासनगर में टोइंग वैन बंद करें

- कांग्रेस नेता किशोर धड़के ने की मांग

उल्हासनगर. टोइंग वैन मालिकों की दबंगई से लोगों को परेशानी हो रही है. इसलिए उल्हासनगर कैंप नंबर 1, 2, 3 की तर्ज पर उल्हासनगर कैंप नंबर 4 और 5 में भी टोइंग वैन शुरू की गई है. स्थानीय कांग्रेस ने मांग की है कि टोइंग वैन को बंद किया जाना चाहिए और भारी वाहनों को सुबह 8 बजे से रात 10 बजे के बीच शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए. इन दोनों मांगों को लेकर कांग्रेस नेता किशोर धड़के ने उल्हासनगर के सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) को लिखित बयान दिया है.

उल्हासनगर 1, 2 और 3 में टोइंग वैन सिस्टम बंद है। लेकिन 4 और 5 में ये टोइंग वैन अभी भी चल रही हैं. शहर में पार्किंग एक बड़ी समस्या है. जबकि वाहन चालकों के पास विशेष रूप से बाइक चालकों के लिए अपने वाहन पार्क करने की सुविधा नहीं है, टोइंग वैन चालक दल केवल बाइक चालकों को निशाना बनाते हैं. इसके चलते टोइंग कर्मचारियों की अक्सर आम नागरिकों और बाइक चालकों से बहस हो जाती है। टोइंग स्टाफ बाइक उठाते समय कोई सावधानी नहीं बरतता है। इसके उलट बाइक को नुकसान पहुंचाने की शिकायतें बढ़ने लगी हैं।

उल्हासनगर शहर के एक क्षेत्र में टोइंग सिस्टम काम कर रहा है, लेकिन दूसरे भाग में नहीं. कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि एक ही शहर में दो कानून क्यों लागू हैं. साथ ही शहर में दिन के समय भारी माल वाले ट्रकों और ट्रेलरों के परिवहन पर रोक लगाने की भी मांग की गई है. धड़के का कहना है कि बड़े वाहनों के कारण आए दिन लोग दुर्घटना (मौत) का शिकार होते हैं. किशोर धाड़के ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही ये मांगें पूरी नहीं की गईं तो कांग्रेस की ओर से जोरदार आंदोलन किया जाएगा.

डंपिंग ग्राउंड हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस का आंदोलन

उल्हासनगर. डंपिंग की बदबू से उल्हासनगर शहर के लोगों का स्वास्थ्य खतरे में है। कांग्रेस पार्टी की ओर से शहर जिला अध्यक्ष रोहित साल्वे के मार्गदर्शन में उक्त डंपिंग को तत्काल शहर से हटाने की मांग को लेकर उल्हासनगर शहर में अनशन किया गया. कांग्रेस पार्टी के उल्हासनगर शहर जिला अध्यक्ष रोहित साल्वे के मार्गदर्शन में उल्हासनगर 5, नेताजी चौक पर अनशन शुरू किया गया. नगर विकास मंच के नगर प्रमुख राजेश फक्के ने भूख हड़ताल को जनसमर्थन दिया.

उल्हासनगर 5 नंबर स्थित डंपिंग ग्राउंड के पानी से भर जाने के कारण क्षेत्र व आसपास के इलाके में दुर्गंध का माहौल बनने से नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में है. इस इलाके में शांति प्रकाश स्कूल है

और स्कूल के हजारों छात्रों का स्वास्थ्य खतरे में है. नागरिक अपने हाथों से जीवन जी रहे हैं. सैकड़ों नागरिक खुजली, दमा, टी.बी. से पीड़ित हैं। जानलेवा गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। यह मामला नागरिकों के साथ अन्याय है. मनपा प्रशासन नागरिकों की जान से खिलवाड़ कर रहा है।

इस संबंध में कांग्रेस पार्टी की ओर से कई बार बयान दिए जा चुके हैं, लेकिन राज्य सरकार और नगर निगम प्रशासन भी इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है. नगर निगम को तत्काल उक्त डंपिंग ग्राउंड को वहां से हटाना चाहिए और नागरिकों को न्याय देना चाहिए। ऐसी मांग रोहित साल्वे ने अपने अनशन के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए की थी. अनशन में रोहित साल्वे, किशोर धाडके, कुलदीप एलसिंगाने, मनीष ठाकुर, अंजलि साल्वे, आशाराम टाक, श्याम माधवी, वामदेव भोईर, शैलेश रूपेकर, नीलेश जाधव, दीपक सोनोने, सिंधुताई रामटेके, शंकर आहूजा आदि कार्यकर्ता और महिला पदाधिकारी शामिल हुए.

पानी की टंकियों को धो रही मनसे

अंबरनाथ. अंबरनाथ मनसे द्वारा एक अनोखी जनहित मुहिम शुरू की गई है। जिसमें शहर की इमारतों में लगी हुई पानी की टंकियों को साफ करने की मुहिम शुरू की गई है। बारिश के कारण पानी की टंकियों में सिवन व मिट्टी की मात्रा बढ़ जाती है। इसके समाधान के तौर पर अंबरनाथ मनसे ने शहर के करीब 150 इमारतों की पानी की टंकियों को साफ किया है। मनसे के अंबरनाथ शहर अध्यक्ष कुणाल भोईर और पूर्व नगरसेविका अपर्णा भोईर ने इस सराहनीय गतिविधि को क्रियान्वित किया है। मानसून शुरू होने के बाद पहले कुछ दिनों तक पानी की आपूर्ति खराब रहती है इससे न केवल नागरिकों के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, बल्कि इमारतों की पानी की टंकियों में यह गाद और मिट्टी जमा होने से जलापूर्ति भी खराब हो जाती है। ऐसे में अंबरनाथ मनसे ने लगभग शहर की 150 इमारतों की पानी की टंकियों की सफाई की। इन टंकियों से सचमुच में इतना दूषित पानी निकाला जिसके बाद टंकियों को साफ किया गया। नागरिकों ने इस पहल पर मनसे का आभार प्रकट किया है।

जानलेवा गड्ढे लेंगे किसकी जान?

उल्हासनगर के गड्ढों ने किया एक को गंभीर घायल

- जिम्मेदार मनपा प्रशासन या ठेकेदार?
- केबी रोड पर हुआ हादसा
- हर वर्ष गड्ढे भरने के लिए 8 करोड़ का ठेका

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर के गड्ढे अब जानलेवा हो चुके हैं जिस कारण कल हुए एक हादसे में एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया है. बाइक सवार का नाम सोम पांडे है और उसका फिलहाल सरकारी सेंट्रल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है.

सोम पांडे बुधवार को कल्याण अंबरनाथ मार्ग पर बाइक चला रहे थे कि अशोक अनिल टॉकीज के सामने सड़क पर गड्ढे होने के कारण उनका संतुलन बिगड़ गया और बाईक से गिर गया गंभीर रूप से घायल पांडे को तुरंत उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया और उसका इलाज चल रहा है। शहर में इस तरह के जानलेवा गड्ढे कैम्प 1 से 5 तक हर मुख्य चौराहे व गली कूचे में देखे जा सकते हैं। हर वर्ष इन गड्ढों की मरम्मत के लिए करीब 8 करोड़ मनपा निजी ठेकेदार को देती है लेकिन बावजूद शहर के गड्ढों को नहीं भरती। मानसून पूर्व गड्ढे भरने होते हैं और मानसून के बाद भी लेकिन प्रशासन व निजी ठेकेदार अपने फायदे के लिए मानसून पूर्व गड्ढे भरने का कार्य करती ही नहीं जिस कारण यह जानलेवा गड्ढे हर वर्ष किसी न किसी की जान लेते हैं।

मानसून बाद सभी त्यौहारों के बीच जाने के बाद दीवाली में इन मानसून के गड्ढों को भरा जाता है। इस भ्रष्टाचार में शामिल मनपा प्रशासन अधिकारी व निजी ठेकेदार के खिलाफ आंदोलन का इशारा दिया गया है।

खाद्य तेल की हेराफेरी करने वाले 2 गिरफ्तार

अंबरनाथ. खाद्य तेल के थोक विक्रेता कमल वाघानी ने खोपोली की एक कंपनी से 11 लाख 94 हजार रुपये का 12 हजार लीटर प्रिया रिफाइंड सनफ्लावर खाद्य तेल खरीदा। चूंकि यह तेल अंबरनाथ के पटेल रिटेल प्राइवेट लिमिटेड को पहुंचाना था, इसलिए उसने खोपोली की पप्पू ट्रांसपोर्ट कंपनी के टेंपो से यह तेल भेजा। इस टेंपो में एक-एक लीटर के 12 बैग वाले 1000 डिब्बे रखे गए थे. लेकिन चालक सोहेल खान ने तेल बदल लिया और नेवाली नाका रोड पर टेम्पो छोड़कर भाग गया। इसकी जानकारी जैसे ही कमल वाघानी को मिली तो उन्होंने उल्हासनगर के हिललाइन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने जांच कर दो आरोपियों अमीर शेख और अली असगर खटीक को गिरफ्तार कर लिया। टेंपो चालक सोहेल खान की तलाश की जा रही है.

म्हारल जमीन घोटाला विधानसभा विरोधी पक्ष नेता विजय वडेट्टीवार का गंभीर आरोप

'म्हारल में 63 एकड़ जमीन बिल्डर ने हड़पी'

7000 करोड़ का घोटाला

उल्हासनगर. विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने गंभीर आरोप लगाया है कि म्हारल में बड़ा जमीन घोटाला हुआ है. उन्होंने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि कल्याण तालुका के मौजे म्हारल में एक कंपनी ने अवैध रूप से सरकारी जमीन का एनए किया. म्हारल सामुदायिक कृषि सहकारी समिति की मिलीभगत से गरीब और जरूरतमंद किसानों को धोखा देकर कलेक्टर, ठाणे और राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से लगभग 7 हजार करोड़ रुपये का सुनियोजित घोटाला किया गया है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने मांग की है कि एक महीने के भीतर मामले की जांच की जानी चाहिए और राजस्व विभाग को म्हारल सामुदायिक कृषि सहकारी को दी गई 63 एकड़ जमीन को अपने कब्जे में लेना चाहिए. विधानसभा में विजय वडेट्टीवार ने पॉइंट ऑफ इन्फॉर्मेशन के तहत इस मामले पर सदन का ध्यान आकर्षित किया.

विजय वडेट्टीवार ने कहा, म्हारल सामुदायिक कृषि सहकारी समिति ने राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से 2008 में केवल 12 दिनों में इस कंपनी को प्लॉट 4 करोड़ रुपये में बेच दिया। सरकार को देय राशि 1 करोड़ 68 लाख 93 हजार 140 रुपए इस कंपनी ने अपने सारस्वत बैंक खाते से जमा करा दी है। इसका मतलब यह है कि इस कंपनी द्वारा सरकारी जमीन को सुनियोजित तरीके से म्हारल सामुदायिक कृषि सहकारी समिति को पेश कर हड़प लिया गया है।

बिल्डर को 30 हजार करोड़ का फायदा

उन्होंने कहा, ''इस कंपनी और अधिकारी ने जमीन का कम मूल्यांकन दिखाकर 12 दिनों के भीतर एक समझौता किया और केवल साढ़े चार करोड़ रुपये में जमीन बिल्डर को भेंट कर दी और सात हजार करोड़ का घोटाला किया. इससे बिल्डर को 30 हजार करोड़ रुपये की कमाई होगी.

एक माह के भीतर जांच पूरी हो

मामले की सुनवाई राजस्व मंत्री के पास हुई. राजस्व मंत्री ने कहा कि एक सदस्यीय कमेटी नियुक्त कर जांच करायी जायेगी. लेकिन तीन महीने बीत जाने के बावजूद अभी तक जांच पूरी नहीं हो सकी है. इसे फिर से बढ़ा दिया गया है. इसलिए राजस्व मंत्री के आदेशानुसार उक्त मामले की जांच एक माह के भीतर पूरी की जाये. वडेट्टीवार ने यह भी मांग की कि नियम और शर्तों के उल्लंघन के कारण जमीन राजस्व विभाग को वापस कर दी जानी चाहिए।

महावितरण शिकायतें हल करने लोगों के पास पहुंचा

शिवसेना द्वारा आंदोलन की धमकी के बाद महावितरण सुधरा

शिकायतें लेकर लोगों की हुई भीड़

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर शिवसेना अरविंद वालेकर और शिवसैनिकों द्वारा महावितरण एवं जलापूर्ति विभाग को उनकी कार्यप्रणाली में सुधार लाने एवं शहरवासियों को बेहतर सुविधा नहीं देने पर आंदोलन का इशारा देने पर अंबरनाथ महावितरण ने सुधार कार्य शुरू करते हुए महावितरण ग्राहक सम्मेलन का आयोजन शिवम मंगल कार्यालय में बुधवार को आयोजित किया.

विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनने, बिजली बिल की समस्या हल करने के लिए महावितरण के अधिकारी व कर्मचारियों ने स्वतः उपभोक्ताओं से

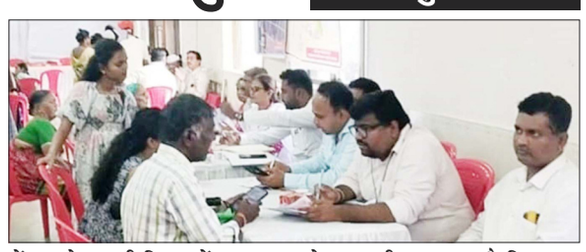

भेंट करके उनकी शिकायतें, समस्या को सुना और उन्हें ऑन दि स्पाट हल किया. बिजली के बिल ज्यादा दिए जाने एवं समय पर बिल नहीं दिए जाने की शिकायतें लेकर लोग बड़ी संख्या में आए थे. पूर्व नगरसेवक निखिल वालेकर, मिलिंद गान, शशांक गायकवाड़, एड. संदीप भराडे, दीपक पवार, स्वप्निल जावीर, राजाराम लोटे आदि उपस्थित रहे. अधिकारियों ने भी लोगों की शिकायतों को सुना और उसका निवारण किया. अंबरनाथ शहर में ऐसा पहली बार हुआ है कि स्वतः महावितरण लोगों की शिकायतें सुनने और उसको हल करने के लिए उनके दरवाजे पर आया. लोगों की शिकायतें ठीक तरीके से हल की जा रही है कि नहीं, ये सब निरीक्षण करने स्वतः अरविंद वालेकर, मनिषा वालेकर उपस्थित थे. बिजली उपभोक्ताओं ने बताया कि ये सब शिवसेना एवं अरविंद वालेकर द्वारा आंदोलन की धमकी देने के बाद हुआ है. व्यापारी संघ अध्यक्ष खानजी धल ने भी उपस्थिति दर्ज की.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

हादसों की बनी सड़क

तमाम सरकारी दावों के बावजूद देश में सड़क दुर्घटनाएं कम नहीं हो पा रही हैं। आए दिन बड़े सड़क हादसों की खबरें आ जाती हैं। खासकर आधुनिक तकनीक से बने एक्सप्रेस-वे पर भीषण दुर्घटनाएं हो रही हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर एक तेज रफ्तार बस के टैंकर से टकराने और उसमें अठारह लोगों के मारे जाने की घटना इसकी ताजा कड़ी है। पहले भी इस मार्ग पर कई बड़े हादसे हो चुके हैं। सवाल है कि एक्सप्रेस-वे पर आखिर इतने बड़े हादसे क्यों हो रहे हैं? पिछले वर्ष नवंबर में केंद्र सरकार की तरफ से जारी एक रपट के मुताबिक, 2022 में देशभर में हुई कुल सड़क दुर्घटनाओं में से 32.9 फीसद एक्सप्रेस-वे पर हुईं और इनकी वजह तेज रफ्तार थी। दरअसल, एक्सप्रेस-वे पर दिन-प्रतिदिन वाहनों का दबाव बढ़ रहा है, ऐसे में तेज गति से गाड़ी चलाने पर दुर्घटना की संभावना हर वक्त बनी रहती है।

वैसे तो यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से निपटने के लिए सख्त कानून बनाए गए हैं। मगर, ये कानून तभी कारगर साबित होंगे, जब प्रशासनिक तंत्र इन पर कड़ाई से अमल सुनिश्चित करेगा। अक्सर देखा गया है कि दुर्घटना संभावित चिह्नित स्थलों पर भी वाहनों की निगरानी के लिए माकूल व्यवस्था नदारद होती है। हालांकि, एक्सप्रेस-वे पर सीसीटीवी की व्यवस्था है, लेकिन उनकी भी नियमित निगरानी किए जाने की जरूरत है, ताकि दुर्घटना के संभावित खतरों को समय रहते टाला जा सके। बढ़ते सड़क हादसों के मद्देनजर एक्सप्रेस-वे पर यातायात पुलिस की गश्त बढ़ाने, आपात सेवा के लिए त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली स्थापित करने तथा कार्रवाई में देरी करने पर जिम्मेदारी तय करने का मुद्दा भी उठाया जाता रहा है। मगर, इस दिशा में कोई ठोस पहल नजर नहीं आती है। तेज रफ्तार के अलावा लापरवाही से वाहन चलाना, क्षमता से अधिक यात्री बिठाना, अकुशल चालक और नशे में वाहन चलाना भी सड़क हादसों का कारण बनता है। इन पर रोक लगाने के लिए पुलिस और प्रशासन के स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए जाने की जरूरत है। व्यवस्था में खामी के लिए जवाबदेही तय करना जरूरी है, तभी सुधार की उम्मीद की जा सकती है।

बेहतर कर प्रशासन के अवसर पहचानना जरूरी

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भारतीय कराधान के इतिहास में एक ऐतिहासिक कर सुधार रहा है। यह अब सात साल पुराना हो चुका है। एक जुलाई, 2017 को शुरू होने के बाद से इसे लेकर उम्मीदें बढ़ी ही हैं। जीएसटी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसने कर व्यवस्था को अधिक कुशल और सरल बना दिया है। हालांकि विभिन्न संक्रमणकालीन चुनौतियों के कारण थोड़ा संदेह भी पैदा हुआ है।

अप्रत्यक्ष कर पारंपरिक रूप से सरकारों के लिए कर राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है। लंबे समय तक अप्रत्यक्ष कर को राजस्व के साधन के रूप में देखा जाता था, न कि आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले साधन के रूप में। नतीजतन लंबे समय तक यह पुराने ढंग से चलता रहा, जिसमें कोई सुधार न हुआ। 1970 के दशक के बाद गठित विभिन्न समितियों ने इनमें व्यापक सुधार की सिफारिश की, जिनमें से कुछ को लागू किया गया। बाद में अप्रत्यक्ष कर में कई बदलाव हुए, जो अंततः 2005 में मूल्य वर्द्धित कर (वैट) के रूप में सामने आए। जीएसटी उसी वैट प्रणाली का विस्तार है।

जीएसटी में तकनीक का भी व्यापक उपयोग किया गया है। पूरा जीएसटी नेटवर्क इस पर निर्भर है। ई-वे बिल इस तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि यह वस्तुओं की आवाजाही को कर प्रशासन की नजर में रखता है। इसके अलावा ये बिल आपूर्तिकर्ताओं के जीएसटी रिटर्न में स्वतः शामिल हो जाते हैं, जिन्हें पहले मैनुअली जांचना पड़ता था। चूंकि अब सब

कुछ ऑनलाइन है, तथा ई-वे बिल का प्रारूप पूरे देश में एक जैसा है, इसलिए पारगमन दस्तावेजों की जांच में लगने वाला समय घट जाता है तथा विभिन्न राज्यों में अलग-अलग प्रक्रियाओं से पैदा होने वाली उलझन भी खत्म हो जाती है।

जीएसटी का एक लाभ यह भी है कि इससे क्षेत्रीय असमानताएं धीरे-धीरे कम हो रही हैं। चूंकि पहले ज्यादातर कर उत्पादन के आधार पर थे, इसलिए कर राजस्व का ज्यादा हिस्सा उत्पादक राज्यों द्वारा अर्जित किया जाता था। अब चूंकि जीएसटी गंतव्य पर आधारित है, इसलिए कर राजस्व उन राज्यों को मिलता है, जहां उपभोग होता है। इससे उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे गरीब, उपभोक्ता राज्यों को मदद मिलती है। हालांकि जिन राज्यों को इससे राजस्व में हानि की आशंका थी, उन्हें केंद्र सरकार ने पांच साल तक मुआवजा दिया। मुआवजा बंद करने के बाद भी राज्यों के राजस्व में कोई बड़ी कमी नहीं हुई। मतलब जीएसटी राजस्व राज्यों में सुव्यवस्थित हो गया है।

हालांकि, भारतीय जीएसटी एक ऐसा मॉडल है, जो इतने बड़े कर सुधार की जटिलताओं और उनके बाद के समाधान को दर्शाता है। फिर भी कर ढांचे के कुछ पहलू जीएसटी की सरलता के वादों के विपरीत हैं। इसलिए, कई मामलों में परिणाम अपेक्षा से कम रहे हैं। जीएसटी, कर दरों और विभिन्न छूटों से संबंधित नियम अब भी बदल रहे हैं, जिससे पिछले सात वर्षों में जीएसटी के प्रदर्शन का समग्र आकलन करना कठिन है। फिर भी शुरुआती आंकड़ों से कुछ निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं। हालांकि जीएसटी ज्यादा व्यवसायों को कर के दायरे में लाने में सफल रहा है, लेकिन उन्हें करों का भुगतान करने के लिए बाध्य करने का काम अब भी बाकी है।

जीएसटी से कर प्रशासन पर दबाव बढ़ा है, क्योंकि छोटे व्यवसायी कुल पंजीकृत लोगों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, फिर भी उनका वास्तविक कर योगदान अपेक्षाकृत नगण्य है। तर्क दिया जाता है कि इन करदाताओं को छोड़ दिया जाए, प्रशासन को उच्च बोझ से राहत दिलाई जाए और बड़े करदाताओं को बेहतर सुविधा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। इसके लिए पंजीकरण सीमा को सावधानीपूर्वक निर्धारित करने की जरूरत है, ताकि अधिक लोग इसमें शामिल न हों। अन्य विशेषता यह है कि छोटे व्यवसायों का कर अनुपालन बढ़ा है। लेकिन शोध से पता चला है कि छोटी कंपनियों को

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

ध्यानाभ्यास, तनाव के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मुस्लिम महिलाओं को भी मिलेगा गुजारा भत्ता

तलाकशुदा मुसलिम महिलाओं के लिए गुजारा भत्ता संबंधी सर्वोच्च न्यायालय का फैसला ऐतिहासिक है। न्यायालय ने कहा है कि हर महिला को गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है, चाहे वह किसी भी धर्म की हो। दरअसल, अभी तक मुसलिम पर्सनल कानून के तहत तलाकशुदा महिलाओं का गुजारा भत्ता तय होता था। शरीअत कानून के मुताबिक इद्दत की अवधि तक ही तलाकशुदा महिला को गुजारा भत्ता दिया जा सकता है। इद्दत यानी तीन महीने की वह अवधि, जिसमें महिला किसी दूसरे के साथ विवाह नहीं कर सकती। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 125 को सभी महिलाओं पर समान रूप से लागू करार देते हुए कहा कि इद्दत के बाद भी महिलाएं गुजारा भत्ते का दावा कर सकती हैं।

हैदराबाद उच्च न्यायालय ने एक मामले में फैसला दिया था कि पति अपनी तलाकशुदा पत्नी को गुजारा भत्ता दे। उसी फैसले को पति ने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। उसकी दलील थी कि मुसलिम महिला (विवाह विच्छेद पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 के चलते, तलाकशुदा मुसलिम महिला दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता नहीं ले सकती। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि धर्मनिरपेक्ष कानून पर यह धारा आरोपित नहीं की जा सकती।

मुसलिम महिलाओं के गुजारा भत्ते संबंधी विवादों पर पहले भी अदालतें सहानुभूति पूर्वक विचार कर चुकी हैं। करीब दो वर्ष पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि तलाक के बाद महिला को पति से गुजारा भत्ता

पाने का पूरा हक है। मद्रास उच्च न्यायालय ने स्पष्ट कह दिया था कि शरीअत काउंसिल कोई अदालत नहीं है और न उसे कानून बनाने का हक है, तलाकशुदा औरतों को अपने पहले शौहर से गुजारा भत्ता मिलना ही चाहिए। इसी साल बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि तलाकशुदा महिला अगर दूसरी शादी कर लेती है, तब भी वह अपने पहले पति से गुजारा भत्ता मांग सकती है। सर्वोच्च न्यायालय ने उन तमाम फैसलों पर अपनी मुहर लगा दी है। मुसलिम महिलाएं तीन तलाक और गुजारे भत्ते की परंपरा के कारण सदियों से अत्याचार सहन करती आ रही हैं। तीन तलाक के विरुद्ध कानून बन जाने से उन्हें काफी राहत मिली। अब तलाक के बाद दूसरे धर्मों की महिलाओं की तरह ही गुजारा भत्ता पाने का कानून स्थापित हो जाने के बाद उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसला के बाद जो महिलाएं गुजारा भत्ते के लिए पहल नहीं करती थीं, वे भी दावा पेश करेंगी।

भारतीय समाज में आज भी अधिकतर महिलाएं विवाह के बाद अपने पति पर निर्भर हैं। अगर किन्हीं स्थितियों में पति उन्हें छोड़ देता है, तो उनका भरण-पोषण मुश्किल हो जाता है। जिन महिलाओं के कंधों पर बच्चों को पालने, पढ़ाने-लिखाने का बोझ है, उन पर तो जैसे मुसीबतों का पहाड़ ही टूट पड़ता है। बहुत सारी तलाकशुदा मुसलिम औरतें दुबारा शादी नहीं करतीं, इसलिए केवल इद्दत तक गुजारा भत्ता पाने से उनके जीवन की मुश्किलें दूर नहीं हो पातीं। फिर, जो महिलाएं दूसरा विवाह कर भी लेती हैं, जरूरी नहीं कि उससे उनके बच्चों का उचित भरण-पोषण हो ही जाए। असल सवाल है कि किसी महिला को केवल धर्म के आधार पर दूसरी महिलाओं से अलग क्यों माना जाना चाहिए। एक नागरिक के तौर पर हर महिला को समान अधिकार मिलना चाहिए। इस दृष्टि से सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला एक कल्याणकारी राज्य के कर्तव्यों के अनुकूल और सराहनीय है।

अनोखा मंदिर...प्रसाद की जगह चढ़ता है चप्पल-सैंडल

जरा हट के

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक ऐसा अनोखा मंदिर है, जहां प्रसाद के रूप में भक्त माता को चप्पल-जूते चढ़ाते हैं. आपको सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन यह सच है.

भोपाल के बंजारी क्षेत्र, कोलार में देवी मां का मंदिर एक पहाड़ी पर स्थित है और यहां माता सिद्धिदात्री विराजमान हैं. इस मंदिर को जीजाबाई माता मंदिर के नाम से भी जाना जाता है. वहीं, स्थानीय लोग इसे पहाड़ी वाली माता मंदिर के नाम से पहचानते हैं. इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत ये कि यहां देवी की पूजा बेटी के रूप में होती है और यहां आने वाले भक्त देवी को भेंट के रूप में नई-नई चप्पल व सैंडल चढ़ाते हैं. देवी मां के भक्त विदेशों से भी नए-नए जूते और सैंडल भेजते हैं.

ये है मंदिर की कहानी

कोलार के बंजारी इलाके में

पहाड़ी पर लगभग 125 सीढ़ी चढ़कर मां सिद्धिदात्री मंदिर पर पहुंचा जाता है. इस मंदिर की स्थापना को करीब 25 वर्ष से ज्यादा हो चुके हैं और तभी से यह परंपरा चली आ रही है. मंदिर के पुजारी ओम प्रकाश ने को बताया कि मंदिर की स्थापना से पहले उन्होंने भगवान शिव और पार्वती का विवाह कराया गया था. इस विवाह में उन्होंने पार्वती का खुद कन्यादान अपने हाथों से किया था, इसलिए ओम प्रकाश माता को बेटी मानकर पूजा करते हैं.इस मंदिर को लोग सिद्धिदात्री पहाड़ वाला मंदिर के अलावा पहाड़ा वाला मंदिर और जीजी बाई के मंदिर के नाम से भी जानते हैं. मां यहां बाल रूप में स्थापित हैं. बेटी की सेवा में कोई कमी नहीं रह जाए, इसलिए बच्चों और बेटियों के उपयोग का सभी सामान मां को अर्पित किया जाता है. बेटियों की तरह उनके सारे नखरे और शौक भी पूरे किए जाते हैं. उन्हें चप्पल, चश्मा, घड़ी, छाता इत्यादि सामान चढ़ाया जाता है.

खाना-खजाना

कटहल के पकौड़े

इस मानसून अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं तो झटपट बना डालिए कटहल के क्रिस्पी और टेस्टी पकौड़े। कटहल में मौजूद फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी, थाइमिन, पोटेशियम, कैलशियम, राइबोफ्लेविन, आयरन, नियासिन और जिंक जैसे पोषक तत्व सेहत के लिए इसके फायदों को बढ़ा देते हैं।

सामग्री

- 200 ग्राम कटहल के बीज
- 2 चम्मच बेसन
- आधा चम्मच मिर्च पाउडर
- आधा चम्मच अमचूर पाउडर
- आधा चम्मच हल्दी पाउडर
- स्वादानुसार नमक

विधिः

कटहल के पकौड़े बनाने के लिए सबसे पहले कटहल को काटकर उसके बीजों को अलग

निकालकर उन्हें कुकर में डाल दें। इसके बाद इन बीजों को कुकर में अच्छी तरह उबालकर ठंडा कर लें। उबले हुए कटहल के इन बीजों के छिलके निकालकर उन्हें बीच से दो टुकड़ों में काट लें। अब इन कटे हुए बीजों में नमक, हल्दी, बेसन और बाकी बची हुई सारी सामग्री डालकर अच्छी तरह मिलाते हुए पकौड़े का पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद एक कढ़ाई में पकौड़े तलने के लिए तेल गर्म करें। अब इस तेल में कटहल के पेस्ट को पकौड़े की तरह डालें और सुनहरा होने तक डीप फ्राई कर लें।आपके कटहल के बीज के क्रिस्पी पकौड़े बनकर तैयार हैं। आप इन्हें सर्व करने से पहले इनके ऊपर चाट मसाला डालें।

शादी के सालों बाद रिश्ते में ताजगी बनाए रखने के तरीके

आप दोनों ने जीवन भर घर-परिवार, बच्चों और रिश्तेदारों के लिए बहुत कुछ किया। क्या इस जिंदगी में आपके निजी रिश्ते भी थकने लगे हैं? पति-पत्नी का रिश्ता ऐसा होता है, जिसमें दोनों मिलकर हर उतार-चढ़ाव का सामना करते हुए एक साथ आगे बढ़ते हैं। इन अनुभवों के साथ दोनों में एक-दूसरे के प्रति परवाह और आपसी समझ भी बढ़ती है।

उम्र के साथ बढ़ेगा प्यार भी

एक शादी जब काफी लंबी चलती है तो जोड़ों के बीच एक सही तालमेल भी बन जाता है, लेकिन कई बार यह समझदारी जीवन में बोरियत ला देती है और जीवन का आनंद गायब होने लगता है। जीवन भर घर-परिवार और पति-बच्चों की जिम्मेदारी संभालते-संभालते दोनों के रिश्ते में एक ठहराव आ जाता है। वैवाहिक जोड़े तब अलग हो जाते हैं, जब एक या दोनों पक्ष इन परिवर्तनों के साथ तालमेल बिठाने में असफल हो जाते हैं। ऐसे में अपने विवाह को ताउम्र खूबसूरत और रिश्ते में ताजगी बनाए रखने के लिए बढ़ती उम्र में आप कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें, जिससे वैवाहिक जीवन में प्रेम और आनंद बना रहे।

आदतों में सुधार

क्या आप अक्सर यह सोचती रहती हैं कि पहले चीजें कैसी हुआ करती थीं और अब ये बदल चुकी हैं। ऐसा सोचने के बजाय परिवर्तन को स्वीकार करें और नए तरीके से जीवन का आनंद उनके साथ लें। आपसी बातों में कोई रहस्य न रखें और कोई भी बात सही समय पर और सही तरीके से बताएं। अपने जीवन-साथी से सलाह किए बिना कोई बड़ा निर्णय न लें।

एक धन्यवाद जीवन में खुशियां बिखेर सकता है, इसलिए अच्छी बातों के लिए धन्यवाद जरूर कहें। ऐसी पुरानी आदतें, जिनसे आपका साथी खुशी महसूस करता था, उन्हें दोबारा अपनाएं। आप शुरुआती दिनों के बारे में सोचें और उन आदतों पर विचार करें, जिन्होंने

उस समय को इतना खास बना दिया था। मसलन, आप हमेशा एक साथ खाना खाते थे? या अपनी यादों की सबसे सुखद यात्रा के बारे विचार करें। वहां फिर जाने प्लान बनाएं। पुरानी आदतों को अपनाकर आप अपने रूखे जीवन में फिर से बहार ला सकती हैं।

पूरा समय और ध्यान

विवाह को भले ही कितने ही साल बीत गए हों, लेकिन अपने जीवन-साथी को समय और महत्व देना बहुत जरूरी होता है। इससे रिश्ते में मजबूती आती है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां निभाते हुए महिलाएं जीवन-साथी के साथ समय नहीं गुजार पातीं और रिश्ते में दूरी आ जाती है। इसलिए एक साथ समय गुजारना जरूरी है।

भावनात्मक जुड़ाव

वैवाहिक जीवन में मिठास भरने के लिए अपने जीवन-साथी से भावनात्मक रूप से जुड़ना जरूरी है। अगर कोई पत्नी अपने पति के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ाव महसूस नहीं कर पा रही तो इससे रिश्ता कमजोर पड़ने लगता है और भावनात्मक समस्याएं आने लगती हैं।

आज का राशिफल

मेष : नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। धनार्जन होगा। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन : मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कर्क : घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह : नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

कन्या : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आएं।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई बड़ा काम करने की इच्छा जागृत होगी। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। प्रमाद न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृश्चिक : मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। थकान रहेगी। किसी कार्य की चिंता रहेगी।

धनु : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी।

मकर : कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

कुंभ : व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है।

मीन : नौकरी में रुतबा बढ़ेगा। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में राहत मिलेगी। चिंता दूर होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

घर पर बनाएं अमचूर

अमचूर पाउडर बनाने से पहले साफ कच्चे और हरे आम चुनें. इस बात का ध्यान रखें, कि आम ज्यादा पके हुए न हों क्योंकि हमें खट्टे आम चाहिए. अगर आम हल्का सा भी सॉफ्ट लग रहा हो तो उसे साइड से हटा दें. अब कच्चे-कच्चे आमों को अच्छी तरह धोकर उनका छिलका हटा लें. इसके बाद छिले हुए आमों को पतले-पतले स्लाइस में काट लें.

अगर आम के टुकड़े पतले होंगे तो ये जल्दी सूखेंगे. आम के टुकड़े करके इसे एक बड़ी ट्रे या प्लेट में फैला दें. ध्यान रखें कि ये एक-दूसरे के ऊपर न डालें. अगर आप इनको एक-दूसरे के ऊपर डालेंगी, तो ये अच्छे से नहीं सूख पायेंगी. अब इस ट्रे को धूप में रखें और स्लाइस को पूरी तरह से अच्छे से सूखने दें. इसे कम से कम तीन से चार दिन तेज धूप में रखना जरूरी है. बीच-बीच में आम के टुकड़ों को पलटते भी रहें. जब आम के स्लाइस पूरी तरह से सूख जाएं और कुरकुरे हो जाएं, तो उन्हें मिक्सर ग्राइंडर में पीस लें. पीसने के बाद इस पाउडर को छलनी से छान लें ताकि बड़े टुकड़े निकल जाएं. यदि कोई बड़े टुकड़े बचे हों तो उन्हें दोबारा पीस लें. अब आपका अमचूर पाउडर तैयार है, जिसे आप विभिन्न व्यंजनों में इस्तेमाल कर सकती हैं।

ऐसे करें स्टोर

इसे स्टोर करने के लिए हमेशा एक एयरटाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें. इससे पाउडर में नमी नहीं जाएगी और यह लंबे समय तक ताज़ा रहेगा. इसके साथ ही इस पाउडर के कंटेनर को किसी ठंडी और सूखी जगह पर रखें. नमी और गर्मी से बचाने के लिए इसे रसोई के कैबिनेट में स्टोर करें.

संक्रमण से बचाता है जामुन का सिरका

नियमित सेवन से होते हैं ये स्वास्थ्य लाभ

जामुन खाने में स्वादिष्ट होने के साथ ही गुणों से भरपूर होता है। जामुन मधुमेह रोग से ग्रसित लोगों में खून कमी को पूरा करता है। वहीं विटामिंस, आयरन, फाइबर, पोटेशियम समेत कई पोषक तत्वों से भी भरपूर है। फल के तौर पर जामुन को खाने के बजाए अगर जामुन के सिरके का सेवन करते हैं तो यह अधिक उपयोगी हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, जामुन का सिरका स्वास्थ्य को संतुलित रखने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से शरीर में वात, पित्त और कफ का भी संतुलन बना रहता है।

जामुन के सिरके का स्वास्थ्य पर असर

मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद जामुन का सिरका

डायबिटीज के मरीज के शरीर में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाने से वह मधुमेह से पीड़ित हो जाता है, लेकिन जामुन के सिरके में मौजूद एंटी डायबिटिक के गुण मधुमेह से छुटकारा दिलाते हैं। मधुमेह रोगियों के शरीर में हाइपरकलेमिया को संतुलित करने के लिए जामुन के सिरके का सेवन करना चाहिए। जामुन के सिरके में एंटी माइक्रोबियल एपिटाइज प्रॉपर्टीज होती हैं जो शरीर में मौजूद शुगर लेवल को कम करके ऊर्जा में परिवर्तित कर देती हैं। अगर मधुमेह रोगी रात के समय जामुन के सिरके

का सेवन नियमित तौर से करते हैं तो इंसुलिन का स्तर भी संतुलित रहता है।

पाचन तंत्र रहता है दुरुस्त

अपच की समस्या से परेशान लोगों को भी जामुन के सिरका का सेवन करना चाहिए। इसमें एंटी बैक्टीरियल और एंटी माइक्रोबियल के गुण होते हैं जो पेट के बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। जामुन के सिरका में फाइबर भी भरपूर मात्रा में मिलता है, जो डायरिया जैसे क्रोनिक रोग से बचाता है। वहीं अपच की समस्या को दूर करने के लिए जामुन के सिरके में मौजूद ऑक्सालिक एसिड, फोलिक एसिड और गैलिक एसिड फायदेमंद है, जो पेट में गैस और कब्ज को दूर करने में मदद करता है।

किडनी में पथरी से राहत

कई लोग किडनी में पथरी की समस्या से ग्रसित होते हैं। पथरी से राहत पाने के लिए कई तरह के नुस्खे और दवाइयों का सेवन करते हैं। लेकिन किडनी में पथरी को दूर करने के लिए जामुन के सिरके का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। जामुन के सिरके में पाए जाने वाले पोषक तत्व और एंटी बैक्टीरियल गुण पथरी को धीरे धीरे जलाकर पेशाब के रास्ते बाहर निकालने में मदद करता है।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

रील बनाने में 3 किशोरों की मौत, रेसर बाइक लहराने के दौरान बस से टकराए

वाराणसी. सोशल मीडिया के लिए रील बनाने का नशा किशोरों के सिर चढ़कर बोल रहा है। किशोर रील को लेकर इतने लापरवाह हो गए हैं कि जान पर खेल जा रहे हैं। ऐसा ही हादसा वाराणसी में गुरुवार की सुबह हो गया। एक ही बाइक पर सवार होकर रील बना रहे तीन किशोर बस से टकरा गए। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों सौ मीटर दूर उछल गए। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर लगते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बस को भी पकड़ लिया है। बताया जाता है कि बस से टक्कर से पहले तीनों किशोर रास्ते में एक युवक से भी टकराए थे। घटना रोहनिया थाना क्षेत्र के चितईपुर खनाव गांव के पास हुई है।

दूल्हे के रिश्तेदारों ने पी शराब, फिर दुल्हन पक्ष की महिलाओं से कर दी गंदी हरकत

फिरोजाबाद. यूपी के फिरोजाबाद जिले के जसराना में एक लड़की की बारात आई हुई थी। बारात का आयोजन कस्बे के गेस्ट हाउस में किया गया था। बाराती नाचते-गाते गेस्ट पहुंचे तो लड़की वालों ने जमकर खातिरदारी की। शादी की तैयारियां शुरू हुईं, लेकिन इससे पहले ही बखेड़ा खड़ा हो गया। सात फेरों से पहले हुए बवाल की जब दूल्हे को खबर हुई तो वह दंग रह गया। दरअसल दूल्हे पक्ष के रिश्तेदारों ने जमकर शराब पी रखी थी। आरोप है कि सभी ने दुल्हन पक्ष की महिलाओं को देखते ही गंदी हरकतें शुरू कर दी। इसका जब महिलाओं ने विरोध किया तो उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। बात इतनी बढ़ गई कि मामला थाने तक पहुंच गया। दुल्हन पक्ष ने शादी से इनकार कर दिया है।

खेत जोतने पर जमकर चले लाठी-डंडे, ट्रैक्टर से कुचलकर युवक की हत्या

कासगंज. कासगंज में खेत जोतने को लेकर सोरों कोतवाली के गांव बरौदा में बुधवार की शाम दो पक्ष आमने-सामने आ गए। इस दौरान जमकर लाठी-डंडे चले। खूनी संघर्ष के दौरान एक युवक को ट्रैक्टर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी गई। संघर्ष में चार ग्रामीण घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक सोरों के गांव बरौदा में चमेली देवी के नाम 20 बीघा भूमि है। इस भूमि पर सिंहराम का कब्जा चला आ रहा था। बुधवार की शाम पांच बजे हरिओम का पक्ष भूमि का बैनामा कराने की बात कहते हुए ट्रैक्टर लेकर खेत जोतने के लिए पहुंच गया। सिंहराम व उसके परिजनों ने इसका विरोध किया। विवाद में चालक ने शिवराम के 20 वर्षीय पुत्र मानपाल पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। युवक पर ट्रैक्टर चढ़ाते ही लाठी-डंडे चलना शुरू हो गए, जिसमें अमर सिंह, रुकमेश, रामभरोसे व बिजेंद्र सिंह घायल हुए हैं। ग्रामीणों से सोरों पुलिस को बरौदा में भूमि विवाद में युवक की हत्या की सूचना मिली।

अपहरण कर किसान की बेटी से रेप

लखनऊ. लखनऊ के माल बाजार जा रही युवती को बाइक सवार ने अगवा कर दुराचार किया। बेटी के घर नहीं लौटने पर परिवार वाले उसे तलाशने लगे। छानबीन करने पर युवती के बाइक सवार के साथ जाने का पता चला। परिवार वाले शिकायत दर्ज कराने के लिए माल थाने जाने लगे। इस बीच युवती बदहवास हालत में घर लौट और मां को आपबीती बताई। बुधवार को बेटी के साथ थाने पहुंच कर अपहरण कर दुराचार किए जाने का मुकदमा दर्ज कराया है।

पुतिन-मोदी की 'जादू की झप्पी'

- चीन को क्यों लगी मिर्ची
- US भी टेंशन में
- क्या है भारत का दुनिया को संदेश

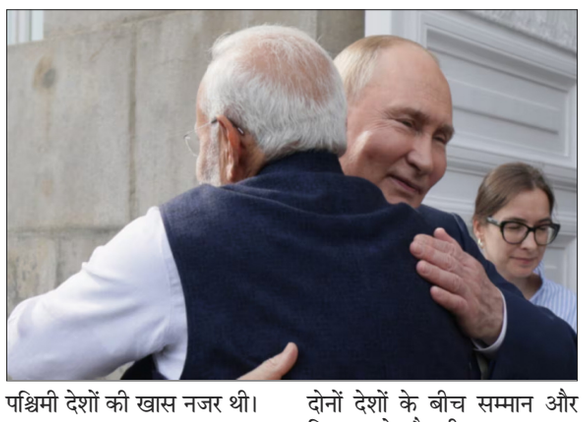

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया रूस यात्रा ने न केवल भारत-रूस संबंधों को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी बड़ी चर्चा को जन्म दिया। पांच साल बाद रूस की धरती पर कदम रखते ही मोदी का स्वागत गर्मजोशी और शाही तरीके से हुआ, जो दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों को दर्शाता है। यह यात्रा खास इसलिए भी रही क्योंकि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यह मोदी की पहली मॉस्को यात्रा थी, जिस पर अमेरिका समेत पश्चिमी देशों की खास नजर थी।

■ विशेष सम्मान और शाही आतिथ्य

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी की शान में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी को रूस के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया, जो दोनों देशों के बीच सम्मान और विश्वास को और भी मजबूत बनाता है। पुतिन और मोदी का गर्मजोशी से गले मिलना कई मायनों में महत्वपूर्ण था। उनका गले मिलना यह संकेत था कि रूस को पश्चिमी दबाव के संतुलन के लिए केवल चीन पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। यह पश्चिम के लिए एक स्पष्ट संदेश भी था कि भारत किसी एक खेमे में बंधकर नहीं रहेगा।

■ गुटनिरपेक्ष आंदोलन की वापसी?

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के बाद यह चर्चा उठी कि भारत ने शीत युद्ध के दौरान के गुटनिरपेक्ष आंदोलन को वापस ला दिया है। गुटनिरपेक्षता की इस नीति का उद्देश्य था कि भारत किसी भी बड़े शक्ति गुट का हिस्सा बने बिना अपनी स्वतंत्र नीति अपनाए। इस यात्रा ने एक बार फिर से इस नीति को महत्व दिया।

■ ऐतिहासिक संदर्भ

यह यात्रा केवल वर्तमान समय की कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि अतीत की गहरी विरासत का हिस्सा भी है। जब अमेरिका और पश्चिमी देश अफगानिस्तान में ग्रेट गेम खेल रहे थे और पाकिस्तान के तानाशाहों को बढ़ावा दे रहे थे, तब रूस भारत के लोकतांत्रिक विश्वास को मजबूत करने में लगा हुआ था। उस समय रूस ने ढांचागत निर्माणों से लेकर सैन्य उपकरणों तक हर संभव मदद की।

■ सैन्य और आर्थिक सहयोग

भारत और रूस के बीच सैन्य और आर्थिक सहयोग भी इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण पहलू था। दोनों देशों के बीच ब्रह्मोस मिसाइल, सुखोई विमान और टी-90 टैंकों जैसे महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का साझा विकास और उत्पादन इस सहयोग का जीता-जागता उदाहरण है। इसके अलावा, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष सहयोग में भी दोनों देश एक-दूसरे के प्रमुख साझेदार हैं।

सऊदी एयरलाइंस के प्लेन में आग लगी

सऊदी अरब के विमान में पाकिस्तान के पेशावर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के वक्त आग लग गई। हालांकि यात्रियों और कैबिन क्रू के सभी सदस्यों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया।

पाक ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी एयरलाइंस 792 विमान बुधवार को जब पेशावर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ तो उसमें से धुआं निकलता दिखाई दिया। इसके तुरंत बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने पायलट को इसकी जानकारी दी।

इसके साथ ही फायर एंड रेस्क्यू सर्विस को भी इसकी जानकारी दी गई। आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। आनन-फानन में इस आग को बुझाया गया। विमान से सभी यात्रियों और क्रू को सकुशल बाहर निकाला गया। अमेरिका के टैंपा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार को एक बड़ा हादसा टल गया। अमेरिकी एयरलाइंस फ्लाइट 590 का दाहिना टायर टेक ऑफ करते वक्त ब्लास्ट कर गया।

NEET पर सुनवाई अब 18 जुलाई को

सुप्रीम कोर्ट ने तारीख बढ़ाई ताकि केंद्र और NTA के हलफनामे पर याचिकाकर्ता पक्ष रख सकें

नई दिल्ली. NEET मामले में गड़बड़ी को लेकर 38 याचिकाओं पर अगली सुनवाई अब 18 जुलाई को होगी । कोर्ट ने केंद्र सरकार और NTA के हलफनामे पर याचिकाकर्ताओं को जवाब देने के लिए समय दिया है।

चीफ जस्टिस की बेंच ने कहा कि कोर्ट के 8 जुलाई के निर्देश के जवाब में केंद्र और NTA ने अपने हलफनामे दायर कर दिए हैं। हालांकि, बेंच ने ये पाया है कि कुछ याचिकाकर्ताओं को अभी तक केंद्र और NTA के हलफनामे नहीं मिल पाए हैं। मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को की जाएगी।

आज CJI की बेंच ने की दूसरी सुनवाई

सुनवाई के लिए 11 जुलाई को कोर्ट में NEET का केस 40 से 45 मामले पर लिस्ट किया गया था। केस 33 की सुनवाई के बाद CJI चंद्रचूड़ ने कहा कि कल सबसे पहले NEET पर सुनवाई होगी। इसके बाद इसे सोमवार तक के लिए टाल दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बुधवार को केस की सुनवाई करने की रिक्वेस्ट की। फिलहाल, कोर्ट ने अगली सुनवाई 18 जुलाई तक टाल दी है।

सुप्रीम कोर्ट में CJI की बेंच के सामने NEET मामले की पहली सुनवाई 8 जुलाई को हुई थी। इसके बाद 11 जुलाई को अगली सुनवाई की डेट दी गई थी। कोर्ट ने 10 जुलाई की शाम तक NTA, केंद्र सरकार, CBI और रीटेस्ट की मांग कर रहे याचिकाकर्ताओं को हलफनामा दायर करने का समय दिया था। CBI, NTA और केंद्र सरकार ने 10 जुलाई को अपने हलफनामे दाखिल कर दिए थे।

CBI जांच में दावा- दूसरे राज्यों के स्टूडेंट्स ने गोधरा सेंटर और गुजराती भाषा चुनी

CBI जांच में सामने आया है कि गुजरात के गोधरा में एक सेंटर पर ओडिशा, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्य के कैंडिडेटस ने एग्जाम दिया था। आरोपियों ने एग्जाम में कैंडिडेटस को एग्जाम के लिए गुजराती भाषा सिलेक्ट करने को कहा था।

लड़की ने थप्पड़ मारा, युवक गंगा में कूदा

- शव रखकर हंगामा
- दो पुलिसवालों ने युवती को उकसाया, दोनों हटाए गए

वाराणसी. वाराणसी में पुलिसकर्मियों ने बीच चौराहे पर एक युवक को पीटा। फिर लड़की से थप्पड़ जड़वाए। सरेआम हुई बेइज्जती से आहत युवक ने गंगा में कूदकर जान दे दी। घरवालों ने देर रात सड़क पर शव रखकर हंगामा कर दिया। उनका कहना था कि सभी पुलिसवालों के खिलाफ FIR लिखी जाए। उन्हें गिरफ्तार किया जाए। हंगामा बढ़ते देख 5 थानों की फोर्स बुलाई गई। DCP सूर्यकांत त्रिपाठी भी मौके पर पहुंचे।

उन्होंने तत्काल दरोगा और कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया। तब जाकर परिजन माने। देर रात पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। हालांकि, मृतक के परिजनों की शिकायत पर अभी तक FIR दर्ज नहीं की गई है। घटना का CCTV भी सामने आया है, जिसमें सिपाही युवक को थप्पड़ मारते दिख रहा है।

लंका थाने में होमगार्ड शारदा प्रसाद का बेटा विशाल सोनकर फल-सब्जी का ठेला लगाता था। बुधवार सुबह ठेले के पास से छात्रा साइकिल से गुजरी।

आंध्र प्रदेश के लिए 60 हजार करोड़ की योजना को मंजूरी

- बिहार के हिस्से में क्या ?

नई दिल्ली. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं की मुलाकात के 5 दिन ही बीते हैं कि केंद्र ने आंध्र प्रदेश में 60,000 करोड़ रुपये के निवेश से तेल रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल हब स्थापित करने की प्रमुख मांग को स्वीकार कर लिया है। नायडू ने बुधवार को राज्य में रिफाइनरी स्थापित करने की व्यवहार्यता पर चर्चा करने के लिए भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात भी की। अब लोगों की नजरें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जा टिकी हैं। ऐसा इसलिए कि केंद्र सरकार में टीडीपी के साथ-साथ जेडीयू की भी अहम भूमिका है।

द इकोनॉमिक टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में जानकार लोगों के हवाले से बताया है कि रिफाइनरी के लिए तीन स्थानों पर चर्चा की गई। इनमें श्रीकाकुलम, मछलीपट्टनम और रामायपट्टनम शामिल हैं। लोगों ने कहा कि रिफाइनरी की औपचारिक घोषणा 23 जुलाई को पेश किए जाने वाले बजट में किए जाने की संभावना है। स्थानों का आकलन किया जाएगा और फिर उन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि इस प्रक्रिया में कम से कम दो महीने लगेंगे और बजट में स्थान की घोषणा नहीं की जा सकती है।

आपको बता दें कि यह चंद्रबाबू नायडू के लिए बड़ी जीत है, क्योंकि उन्होंने पीएम और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के साथ अपनी बैठकों के दौरान रिफाइनरी स्थापित करने पर जोर दिया था। नायडू के 16 सांसद भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को समर्थन देते हैं। हालांकि, नायडू स्पष्ट रूप से लगातार कह रहे हैं कि उनके मन में अपने राज्य के हित हैं और वे किसी भी मांग को लेकर सरकार नहीं गिराएंगे।

भारतवंशी ने गीता पर हाथ रखकर ली सांसदी की शपथ

- 27 साल की शिवानी लीस्टर ईस्ट से सांसद

ब्रिटेन. ब्रिटेन की संसद में बुधवार को भारतीय मूल की सांसद शिवानी राजा ने भगवद गीता पर हाथ रख कर सांसदी की शपथ ली। उन्होंने ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी से लीस्टर ईस्ट सीट से जीत दर्ज की है। शिवानी ने लंदन के पूर्व डिप्टी मेयर राजेश अग्रवाल को 4 हजार से ज्यादा वोटों से हराया है।

लीस्टर ईस्ट को लेबर पार्टी का गढ़ माना जाता है। शिवानी ने यहां 37 साल बाद कंजर्वेटिव पार्टी को जीत दिलाई है। शपथ लेने के बाद शिवानी ने एक पोस्ट कर बताया कि भगवद गीता के साथ शपथ लेना उनके लिए सम्मान की बात थी। उन्हें इस पर गर्व है।

शिवानी ब्रिटेन की सबसे यंग सांसदों में से एक है। वे अभी 27 साल की हैं। शिवानी के माता-पिता 1970 के दशक में गुजरात से लंदन गए थे। वे खुद को हिन्दू मानती है और हिन्दू रीति रिवाज को फॉलो करती हैं।

सांसद बनने से पहले कॉस्मेटिक ब्रांड के साथ काम करती थी शिवानी

शिवानी ने ब्रिटेन की डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी से फार्मास्युटिकल और कॉस्मेटिक साइंस से ग्रेजुएशन की। इसके बाद उन्होंने कॉस्मेटिक ब्रांड्स के साथ काम किया।

शिवानी जिस जगह (लीस्टर ईस्ट) से सांसद हैं वहां भारतीय और पाकिस्तानी समुदायों के बीच 2022 में एक क्रिकेट मैच के दौरान झड़प हो गई थी।

ब्रिटेन में चुनाव जीत रहे भारतवंशी

ब्रिटेन में इस बार भारतीय मूल के 107 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। जिसमें से 29 को जीत मिली थी। इसमें लेबर पार्टी के 19 और कंजरवेटिव पार्टी से 7 थे। इसके अलावा लिबरल डेमोक्रेट्स से ब्रिटिश-भारतीय मूल के 1 सांसद और 2 उम्मीदवारों ने निर्दलीय चुनाव जीता है।

इससे पहले 2019 में हुए चुनावों में 15 भारतवंशी को जीत मिली थी और 2017 के चुनाव में 10 जीते थे।

सिसोदिया की याचिका पर सुनवाई से हटे जस्टिस संजय कुमार

- निजी कारणों का हवाला दिया
- सुप्रीम कोर्ट की नई बेंच अब 15 जुलाई को सुनवाई करेगी

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय कुमार ने गुरुवार (11 जुलाई) को AAP नेता और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत की पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। दिल्ली शराब नीति मामले में सिसोदिया की याचिका पर आज सुनवाई होनी थी। जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संजय कुमार की बेंच सुनवाई करने वाली थी। हालांकि, जैसे ही मामला सुनवाई के लिए रखा गया, जस्टिस खन्ना ने कहा, 'हमारे भाई (जस्टिस संजय कुमार) को कुछ दिक्कत है। वह निजी कारणों के चलते इस मामले की सुनवाई नहीं करना चाहते। अब 15 जुलाई को दूसरी बेंच मामले की सुनवाई करेगी। जस्टिस संजय कुमार इसका हिस्सा नहीं होंगे। सिसोदिया ने शराब नीति घोटाले से जुड़े ED और CBI केस में जमानत पर पुनर्विचार को लेकर दो अलग-अलग याचिकाएं लगाई हैं।

गायब हड्डियां CBI ऑफिस में मिलीं

- शीना बोरा हत्याकांड
- जांच एजेंसी ने कहा- अब इन्हें सबूत के तौर पर पेश नहीं करेंगे

नई दिल्ली. शीना बोरा हत्याकांड को लेकर 10 जुलाई को मुंबई की ट्रायल कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान CBI ने कोर्ट में बताया कि अप्रैल में गायब हुईं हड्डियां CBI के दिल्ली वाले ऑफिस के मालखाने में मिल गई हैं।

यह खुलासा उस दिन हुआ, जब कोर्ट को मिले एक ईमेल में आरोप लगाया गया कि शीना की हड्डियां गायब नहीं हुईं, बल्कि वे एक फोरेंसिक एक्सपर्ट के पास हैं, जिसने उनकी जांच की थी और जो गवाह के तौर पर अदालत के सामने गवाही दे रहा था।

ईमेल में आरोप लगाया गया है कि इस गवाह ने अचानक बहुत संपत्ति अर्जित कर ली है। ईमेल भेजने वाले ने खुद को फोरेंसिक विशेषज्ञ का भाई बताया। इन हड्डियों के न मिलने से पिछले महीने फोरेंसिक विशेषज्ञ की गवाही को रोक दिया गया था।

हालांकि, CBI ने स्पष्ट किया कि इन अवशेषों को सबूत के तौर पर पेश नहीं किया जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इनका FIR में जिक्र नहीं है। प्रॉसिक्यूशन (अभियोजन पक्ष) ने कहा कि उसने सबसे पहले 24 अप्रैल को अदालत को शीना के अवशेषों के लापता होने के बारे में सूचित किया था और 10 जून को कहा कि वे नहीं मिल सके।

अभियोजन के वकील सीजे नंदोडे ने कहा, 'लेकिन इस बीच ऑफिस के मालखाने में दोबारा तलाश करने पर सामान यानी हड्डियां पड़ी मिलीं।'

NASA ने खोज ली पृथ्वी जैसी दूसरी दुनिया; कई समानताएं

नई दिल्ली. इसमें कोई शक नहीं कि ब्रह्मांड में पृथ्वी जैसे अनेकों ग्रह हो सकते हैं और वहां रहने वाले हम जैसे लोग। लेकिन, वैज्ञानिक इतने सालों में पृथ्वी जैसे रहने योग्य ग्रह की खोज नहीं कर पाएं हैं। हालांकि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इस नामुमकिन से कार्य को मुमकिन कर दिखाया है। नासा के वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक ऐसे ग्रह की खोज की है, जो पृथ्वी जैसे रहने योग्य है। नासा के टेलिस्कोप जेम्स वेब ने इसे ब्रह्मांड से कैप्चर किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह आकार में धरती से बड़ा है और हमारे सौरमंडल के बाहर अब तक मिले 5000 ग्रहों में यह सबसे पहला है, जहां जीवन हो सकता है।

नासा के सबसे शक्तिशाली टेलिस्कोप जेम्स वेब ने अनंत अंतरिक्ष से एक बार फिर ऐसी चीज ढूंढ निकाली जो अविश्वसनीय है। नासा के वैज्ञानिकों ने हमारे सौरमंडल से बाहर ऐसे ग्रह को खोज निकाला है जिसमें पृथ्वी जैसी कई समानताएं हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस ग्रह में जीवन को बनाए रखने वाले संभावित तरल महासागर है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अब तक सौरमंडल के बाहर 5000 से अधिक ग्रहों की खोज की जा चुकी है, लेकिन उनमें से केवल कुछ ही ग्रह ₹गोल्डीलॉक्स क्षेत्र₹ में हैं - जो न तो बहुत गर्म है और न ही बहुत ठंडे। इतना ही नहीं वहां जल तरल अवस्था में हो सकता है।

यासीन मलिक मामले से अचानक हटे HC जस्टिस

- मौत की सजा पर होनी है सुनवाई

नई दिल्ली. दिल्ली उच्च न्यायालय (HC) के न्यायाधीश अमित शर्मा ने आतंकवाद के वित्तपोषण मामले में अलगाववादी नेता यासीन मलिक को मौत की सजा देने का अनुरोध करने वाली राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की याचिका पर सुनवाई से बृहस्पतिवार को खुद को अलग कर लिया। न्यायमूर्ति शर्मा ने मामले की सुनवाई से खुद को अलग क्यों किया है इसके कारण की पुष्टि नहीं हो पाई है। ऐसे मामलों की सुनवाई करने वाले न्यायाधीशों की सूची में बदलाव के बाद यह मामला न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया। न्यायमूर्ति सिंह ने कहा,'' इसे नौ अगस्त के लिए अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए जिसमें न्यायमूर्ति शर्मा सदस्य नहीं हों।''

अलगाववादी संगठन 'जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट' का प्रमुख यासीन मलिक आतंकवाद के वित्त पोषण मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। वह वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए तिहाड़ जेल से अदालती कार्यवाही में शामिल हुआ।

भारत ने जिम्बाब्वे को 23 रन से हराया

चैंपियंस ट्रॉफी- भारत के पाकिस्तान जाने के आसार नहीं:BCCI दुबई या श्रीलंका में मैच कराने के लिए ICC से अपील कर सकता है

फरवरी 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए भारत की टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। BCCI भारत के मैच पाकिस्तान की जगह दुबई में या श्रीलंका में कराने के लिए ICC से कहेगा। न्यूज एजेंसी ANI ने BCCI के सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। अभी BCCI ने इस पर ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दिया है।

पिछले साल पाकिस्तान में हुई एशिया कप सीरीज में खेलने भी भारत नहीं गया था। भारत के मैच तब श्रीलंका में कराए गए थे।

PCB अध्यक्ष ने तय किया 15 मैचों का कार्यक्रम

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अगले साल 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेली जाएगा, जिसमें 10 मार्च फाइनल के लिए रिजर्व डे होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने टूर्नामेंट के 15 मैचों का ड्राफ्ट ICC को भेज दिया है। ICC टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 8 टीमों के बोर्ड से सहमति लेने के बाद ही इस शेड्यूल को अप्रूव करेगा।

पाकिस्तान 1 मार्च 2025 को लाहौर में सबसे बड़े राइवल भारत से भिड़ सकता है। हालांकि, BCCI ने अभी तक इस मैच के लिए अपनी सहमति नहीं दी है। ICC बोर्ड के एक वरिष्ठ सदस्य ने बुधवार को PTI को यह जानकारी दी थी।

1996 के बाद पहली बार पाकिस्तान किसी बड़े ICC टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हालांकि, PCB ने 2008 में पूरे एशिया कप की मेजबानी की थी और पिछले साल भी एशिया कप के कुछ मैच पकिस्तान में हुए थे।

PCB ने भारत के सभी मुकाबले लाहौर में कराने का प्रस्ताव भेजा था

रिपोर्ट के मुताबिक, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए PCB के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने 15 मैचों का शेड्यूल ICC को भेजा है। जिसमें भारत के सभी मैच सुरक्षा कारणों की वजह से लाहौर में रखे गए हैं।

ICC बोर्ड के एक सदस्य ने कहा, ₹PCB ने 15 मैचों की ICC चैम्पियन्स ट्रॉफी का ड्राफ्ट प्रस्तुत किया है। लाहौर में सात, कराची में तीन और रावलपिंडी में पांच मैच होंगे। शुरुआती मैच कराची में होंगे,

3 दिन से गायब थी 8 साल की मासूम

नाबालिग आरोपी बोले- रेप कर नाले में फेंका

हैदराबाद. आंध्र प्रदेश में 8 साल की मासूम की हत्या और गैंगरेप का मामला सामने आया है। वारदात को अंजाम देने के आरोप स्कूल के ही तीन छात्रों पर हैं। खास बात है कि तीनों नाबालिग हैं, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बच्ची बीते तीन दिनों से घर से लापता थी। खबर है कि आरोपियों को पकड़वाने में पुलिस के डॉग स्क्वॉड ने बड़ी मदद की है।

क्या था मामला

कक्षा 3 में पढ़ने वाली छात्रा रविवार से ही घर से गायब थी। आसपास खोजने के बाद बच्ची के पिता ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि बच्ची मुछुमर्री पार्क में खेल रही थी, लेकिन घर लौट कर नहीं आई। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने खोजबीन शुरू की, लेकिन कहीं भी बच्ची का सुराग नहीं लगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉग स्क्वॉड की मदद से पुलिस तीन बच्चों तक पहुंची। इनकी उम्र 12 और 13 साल है। इनमें से दो कक्षा 6 और एक कक्षा 7 में है। सभी छात्र बच्ची के ही स्कूल में पढ़ते थे। पुलिस के हवाले से बताया गया है कि पूछताछ के बाद तीन लड़कों ने बच्ची के बलात्कार और बाद में हत्या की बात मान ली।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

आरोपियों ने पुलिस को बताया है कि उन्होंने बच्ची को पार्क में खेलते हुए देखा था और उसके साथ शामिल हो गए थे। बाद में वे उसे एक सुनसान जगह पर ले गए और बारी-बारी से बलात्कार किया। इसके बाद आरोपियों ने किसी को इसके बारे में पता चलने के डर से बच्ची की हत्या कर दी और शव पास के नाले में फेंक दिया। एसआई जयशेखर का कहना है कि पुलिस अब भी इसे एक गुमशुदगी के मामले की तरह देख रहे हैं, क्योंकि अब तक बच्ची का शव बरामद नहीं हुआ

आम सूचना

हम सादमा बेगम अब्दुल कलाम शेख व अब्दुल कलाम अब्दुल कादिर शेख सभी को सूचित कर रहे हैं कि घर, ब्लॉक ए-12 के पास, शहाड फाटक, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 09एओ015035300) उक्त प्रॉपर्टी श्री सलीम नवाब सैय्यद के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि.10.7.2024 सी.नं. 102/2024 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

सादमा बेगम अब्दुल कलाम शेख

व अब्दुल कलाम अब्दुल कादिर शेख

संक्षेप...

भिवंडी में एक दिन में चार वाहन चोरी

भिवंडी. नारपोली पुलिस थाने सीमा अंतर्गत एक दिन में तीन दो चाकिया और एक ऑटो रिक्शा चोरी होने की घटना घटित हुई है। मानकोली के रहने वाले लक्ष्मण मोहन गव्हाणे की होंडा एक्टिवा मोटरसाइकिल को उड़ान पुल के नीचे से अज्ञात चोर ने चोरी कर ली है। हनुमान नगर कामत घर के रहने वाले प्रवीण तालुकदार मिश्रा की 45 हजार कीमत के सुजुकी कंपनी की एक्सेस 125 स्कूटर को अज्ञात चोर ने दापोड़ा रोड, पारस नाथ कंपाउंड से चोरी की है। कूरियर सर्विस करने वाले जीवन भाई गोवर्धन भाई जोशी की बाइक को अज्ञात चोर ने नागेश्वर कंपाउंड, पूर्णा गांच से चोरी कर किया है और जय मातादी कंपाउंड, काल्हेर के रहने वाले मो. हुसैन शराफत खान की ऑटो रिक्शा को अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया है।

महाराष्ट्र में सत्ता का सेमीफाइनल!

- 'खिलाड़ी' तैयार,
- MLC चुनाव में किसके हाथ लगेगी बाजी?
- अजीत गुट पर निगाहें

मुंबई, लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में एक बार फिर एनडीए बनाम इंडिया अलायंस के बीच मुकाबला होने जा रहा है. शुक्रवार को होने जा रहे महाराष्ट्र विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों में दोनों एक दूसरे को मात देने की कोशशि करेंगे. मुकाबला इसलिए भी रोचक हो गया है, क्योंकि 11 सीटों पर 12 प्रत्याशी मैदान में उतार दिए गए हैं. मैच को अपने पाले में करने के लिए खलिाड़ी मोर्चे पर तैनात कर दिए गए हैं.

इस मुकाबले को सत्ता का सेमीफाइनल इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि नतीजों से पता चलेगा कि सरकार में काबिज बीजेपी के नेतृत्व वाली महायुति एकजुट है, या उसके कुछ विधायक सिखक रहे हैं. सबसे ज्यादा निगाह अजीत पवार गुट के विधायकों पर होगी.

एनडीए को सबसे डर इस बात का है कि कहीं अजीत पवार खेमे के कुछ विधायक पाला बदल सकते हैं, क्योंकि उन्हें विधानसभा चुनाव में सत्ता में लौटने का भरोसा नहीं है. लोकसभा चुनाव में अजीत की पार्टी 4 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन सिर्फ 1 सीट पर उन्हें जीत हासलि हुई थी. एनडीए में बीजेपी, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल है, जबकि इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना शामिल है.

रिसॉर्ट पॉलटिक्सि शुरू

एमएलसी चुनाव को लेकर महाराष्ट्र में एक बार फिर रिसॉर्ट पॉलटिक्सि शुरू हो गई है. कांग्रेस अपने सभी विधायकों के लिए होटल इंटरकांटिनेंटल में डिनर पार्टी आयोजित की है. शिवसेना एकनाथ शिंदेग्रुप के सभी विधायक होटल ताज लैंड एंड में रुकेंगे. दोनों गुटों के पार्टियों को क्रॉस वोटिंग का डर सता रहा है. इसलिए ये रिसॉर्ट पॉलटिक्स शुरू हुई है.

किसके पास कितने 'खिलाड़ी'

महाराष्ट्र में एमएलसी की कुल 12 सीटों पर चुनाव होगा. सत्तारूढ़ एनडीए ने 9 प्रत्याशी उतारे हैं. इनमें बीजेपी के 5, शिवसेना के 2 और एनसीपी अजीत पवार गुट के 2 कैंडिडेट हैं. वहीं, इंडिया अलायंस ने 3 कैंडिडेट दिए हैं. इनमें कांग्रेस से 1, उद्धव ठाकरे गुट वाले शविसेना से 1 कैंडिडेट है. शरद पवार गुट ने जयंत पाटिल को समर्थन दिया है. दोनों गुटों के पास विधायकों की कमी है, ऐसे में जोड़तोड़ होना तय है. इसलिए सबकी निगाह अजीत पवार गुट के विधायकों पर है.

एनडीए के पास कितनी ताकत

महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 288 सीटें हैं, लेकिन इस वक्त यह घटकर 274 रह गई है. जीतने के लिए प्रत्येक उम्मीदवार को 23 प्रथम वरीयता वोटों की जरूरत होगी.

बीजेपी के पास 111 विधायक हैं, जिसमें कई निर्दलीय भी हैं. उन्हें अपने पांच कैंडिडेट को जिताने के लिए कम से कम चार वोट और चाहिए. शदि के पास 38 विधायक हैं, उन्हें 9 अन्य विधायकों का समर्थन है. अजीत पवार गुट की शविसेना के पास 39 वधिायक हैं, इसलिए उन्हें अपने दूसरे कैंडडिट को जिताने के लिए कम से कम सात विधायकों के वोट और चाहिए. इससे साफ है कि एनडीए के पास वोटों की कमी है.

एमवीए कितना शक्तशिाली

उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और शरद पवार गुट में कांग्रेस के पास 37 सदस्य हैं. कांग्रेस ने सिर्फ एक कैंडडिट दिए हैं, इसलिए उनके पास कुछ वोट बच जाएंगे. लेकिन कहा जा रहा है कि जीशान सिद्दीकी और सुलभा खोडके जैसे उसके विधायक पहले से ही एनसीपी के संपर्क में हैं.

शिवसेना (यूबीटी) ने उद्धव ठाकरे के निजी सहायक मिलिंद नार्वेकर को मैदान में उतारा है. कहा जाता है कि नार्वेकर की वजह से ही शदि गुट के विधायकों ने उद्धव ठाकरे से विद्रोह कयिा था. अब उद्धव ठाकरे की यहीं पर असली परीक्षा होगा.

तीसरी मंजिल से गिरकर नौ साल के बच्ची की मृत्यु

मुंबई. कांदिवली स्थित गवाठन के एक बिल्डिंग के तीसरे मंजिल से गिरकर नौ साल के बच्ची की मृत्यु हो गई। वह खेलते - खेलते खिड़की में चली गई और ग्रिल की कड़ी खोली तभी वह अचानक नीचे गिर पड़ी। आवाज सुनने के बाद सभी लोग, वहां पहुंचे और उसे अस्पताल पहुंचाया गया। कांदिवली पुलिस के मुताबिक घटना में जिस बच्ची की मृत्यु हुई है उसका नाम आशिया विश्वकर्मा (9) है। वह अपने माता पिता के साथ कांदिवली, गावठन के स्टील स्टोन बिल्डिंग में रहती थी। मंग- लवार की शाम वह खेलते हुए खिड़की के पास गई और उसकी कड़ी भी खिल गई। जिसकी वजह से वह नीचे गिर पड़ी। घटना स्थल पर पहुंचे लोगों ने उसे डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज अति दक्षता विभाग में चल रहा था। सिर में गंभीर चोट होने के कारण उसे बचाया नहीं जा सका ।

करोड़ों के कचरा ढुलाई वाहन ठेकेदार के कब्जे में

- ठेका कैंसिल होने के बाद भी नहीं लौटा रहा 50 घंटा गाड़ी, 23 आरसी वाहन

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासन की भारी नाकामी एवं लापरवाही का हैरत अंगेज प्रकरण प्रकाश में आया है. कचरा ढुलाई कार्यों में लापरवाही बरते जाने पर ठेकेदार आर एंड बी इंफ्रा का ठेका मनपा प्रशासक अजय वैद्य द्वारा रद्द किए जाने के करीब 4 माह बाद भी मनपा द्वारा कचरा ढुलाई कार्य के लिए दी गई 50 घंटा गाड़ी एवम 23 रिफ्यूज कलेक्टर गाड़ी नहीं लौटाई है. मनपा प्रशासन के बारंबार पत्र देने के बाद भी ठेकेदार ने वाहनों को नहीं लौटा रहा है. करोड़ों रुपए के कीमती वाहन ठेकेदार के कब्जे में खड़े धूल फांक रहे हैं.मनपा प्रशासन द्वारा आर एंड बी इंफ्रा कंपनी ठेकेदार पर कड़क कार्यवाही नहीं करने एवम अपनी संपत्ति की सुरक्षा करने में लाचार देखकर शहरवासियों द्वारा आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा ने कचरा ढुलाई का ठेका आर एंड बी इंफ्रा कंपनी को 1अप्रैल 2022 को 6 वर्षों के लिए दिया था. कचरा ढुलाई में भारी लापरवाही के बाद मिली अनगिनत शिकायतों के उपरांत मनपा प्रशासक अजय वैद्य ने ठेकेदार को कई बार नोटिस दिया लेकिन ठेकेदार ने कोई ध्यान नहीं दिया. नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मनपा प्रशासन द्वारा अंततः कचरा ढुलाई ठेका 15 मार्च 2024 को केवल 22 माह में ही कैंसिल कर दिया गया.सूत्रों की माने तो,कचरा ढुलाई ठेका रद्द होने पर कचरा ढुलाई बिल भुगतान बकाया होने का हवाला देते हुए ठेकेदार आर एंड बी इंफ्रा कंपनी ने मनपा द्वारा कचरा ढुलाई की खातिर दिए गए 50 घंटा गाड़ी, 23 आरसी मशीन को नहीं लौटाया और अपने कब्जे में रख लिया है.ठेकेदार कंपनी का कहना है कि कचरा ढुलाई का करीब 15 करोड़ रुपए से अधिक भुगतान बकाया है जिसे मनपा प्रशासन देने में हीलाहवाली कर रहा है.मनपा बकाया बिलों का भुगतान करेगी तभी वाहन रिपेयर कर सौंपा जाएगा. मनपा अधिकारी की माने तो ठेकेदार आर एंड बी इंफ्रा ठेकेदार कंपनी ने टेंडर शर्तों के अनुसार सफाई मजदूरों का ईपीफ,वाहनों की दुरुस्ती, इंश्योरेंस नियमों के अनुरूप नहीं किया है. ठेकेदार को सभी बकाया भुगतान के लिए करीब 15 करोड़ रुपए से अधिक चुकाना है जबकि मनपा को करीब 12 करोड़ ठेकेदार कंपनी को देना है. मनपा प्रशासन द्वारा भुगतान नहीं करने के खिलाफ ठेकेदार कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में है. जागरूक नागरिकों द्वारा आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है कि, मनपा प्रशासन पर ठेकेदार कैसे भारी हो गया है ? ठेकेदार से मनपा प्रशासन अपने करोड़ों रुपए के वाहन लेने में लाचार क्यों है ?

7 लाख की रिश्वत मांगने वाले कांस्टेबल के खिलाफ मामला

- भ्रष्टाचार निरोधक विभाग की कार्रवाई

कल्याण. एक आपराधिक मामले में शिकायतकर्ता से 7 लाख रुपए की रिश्वत मांगने और समझौते के बाद 5 लाख रुपए लेने के लिए तैयार कल्याण के महात्मा फुले पुलिस स्टेशन के कांस्टेबल सुचित निवृत्ति टिकेकर (40) के खिलाफ एंटी करप्शन विभाग की ठाणे टीम ने अपराध दर्ज किया है.

पुलिस ने कहा, भ्रष्टाचार निरोधक विभाग में शिकायत करने वाले शिकायतकर्ता के दोस्त के बहनोई के खिलाफ महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता और उसके सहयोगियों ने कांस्टेबल सुचित टिकेकर से मांग की थी कि अपराध मामले में जीजा को आरोपी न बनाया जाए। जिसके लिए हवलदार टिकेकर ने 7 लाख रुपए की मांग की. इसकी शुरुआत पिछले महीने हुई थी. शिकायतकर्ता ने इस रकम को कम करने की मांग की, लेकिन हवलदार टिकेकर तैयार नहीं हुए. अंततः टिकेकर सात की जगह पांच लाख रुपये लेने को तैयार हो गये. शिकायतकर्ता ने भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के ठाणे डिवीजन के अधीक्षक सुनील लोखंडे को इसकी शिकायत कर दी. लोखंडे के आदेश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजानन राठौड़, महेश तारडे, पुलिस निरीक्षक विजय कावले की टीम ने शिकायतकर्ता के साथ टिकेकर की बातचीत पर नजर रखी. यह आश्वस्त होने के बाद कि टिकेकर शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग कर रहा था, पुलिस ने इस संबंध में तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए। उसके आधार पर, भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के पुलिस निरीक्षक विजय कावले ने बुधवार को महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में कांस्टेबल सुचित टिकेकर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

डोंबिवली स्टेशन पर जीआरपी का जागरूकता अभियान

- पटरी पार करने वाले यात्रियों को संदेश
- 'आ मेरे भैंसा पे बैठ जा' का लगाया स्लोगन

उल्हास विकास संवाददाता

कल्याण. डोंबिवली स्टेशन मध्य रेलवे के सबसे भीड़भाड़ वाले स्टेशनों में से एक है। यहां पटरी पार करते हुए कई यात्रियों की जान जा चुकी है। इसलिए यात्रियों को जागरूक करने के लिए डोंबिवली जीआरपी ने एक अनोखी पहल शुरू की है। प्लेटफार्म नम्बर-1 पर यमराज का चित्र बनाकर यात्रियों के लिए ₹आ मेरे भैंसा पे बैठ जाइ का स्लोगन लिखकर यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही रेलवे लाइन पार करने वालों पर कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। डोंबिवली जीआरपी के पुलिस अधिकारी किरण उंदरे ने कहा कि यहां यात्री लोकल पकड़ने की उलझन में रेलवे ट्रैक पार करते हैं, जिसमें उनकी जान चली जाती है। यात्रियों को अपनी कीमती जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए। गुरुवार को प्लेटफार्म नम्बर-1 पर यात्रियों को जागरूक करते हुए उंदरे ने कहा कि दुर्घटनाओं को कम करने की उद्देश्य से डोंबिवली लोहमार्ग पुलिस टीम ने यात्रियों में जागरूकता पैदा करने के लिए इस तरह का अनोखा पहल शुरू किया है। साथ ही मेगा लाउडस्पीकर के जरिए हमारे पुलिसकर्मी यात्रियों को सतर्क कर रहे हैं, ताकि किसी यात्री की जान न जाय।

आवारा-पागल कुत्तों को लेकर जागी मनपा

900 लोगों को काटने के बाद भिवंडी मनपा प्रशासन हरकत में

भिवंडी. विगत 1 माह के दौरान ही करीब 900 लोगों को पागल,आवारा कुत्तों द्वारा काटने की घटना के बाद मनपा प्रशासन कुंभकर्णी नींद से जागा है.मनपा आरोग्य विभाग कुत्तों को रेबीज इंजेक्शन देने, नसबंदी करने के लिए एजेंसी को टेंडर निकाले जाने की तैयारी शुरू की है. मनपा प्रशासन की लापरवाही से शहर के विभिन्न एरिया के करीब 900 लोग कुत्ता काटने की भयंकर पीड़ा झेल रहे हैं. नागरिकों की जान सुरक्षा के गंभीर मुद्दे पर मनपा की लापरवाह कार्यप्रणाली से भिवंडीकरों में भारी नाराजगी फैली है.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा क्षेत्र अंतर्गत सभी रहिवासी एवम पावरलूम एरिया में आवारा कुत्तों का झुंड घूमता रहता है.बरसात में अक्सर कुत्तों की काटने की घटनाओं में भारी इजाफा हुआ है.विगत जून माह के 30 दिनों में ही मानसरोवर, कामतघर, फेना पाड़ा,भाग्य नगर,फेना गांव, आशीर्वाद नगर,ओसवाल वाडी, अंजूर फाटा, अशोक नगर, गोपाल नगर,अजय नगर, ब्राह्मण अली, गौरीपाड़ा, गैवी नगर,शांतिनगर, भादवाड़, शास्त्री नगर आदि रहिवासी क्षेत्रों में आवारा, पागल कुत्तों द्वारा करीब 1000 घटनाएं विभिन्न अस्पताल के रिकार्ड से प्रकाश में आईं जहां लोगों ने जाकर रैबीज इंजेक्शन लगाया है. 4 दिन पूर्व ही शांतिनगर स्थित सब्जी मार्केट में सब्जी खरीद रहे करीब 30 से अधिक महिला, पुरुष,बच्चों को पागल कुत्ते ने काट खाया है.पागल कुत्ते द्वारा काटे जाने वाले सभी पीड़ितों ने आईजीएम अस्पताल जाकर रैबीज इंजेक्शन लिया.

मनपा टेंडर निकालने में जुटी

पागल, आवारा कुत्तों पर नकेल कसने के लिए मनपा ने तैयारी शुरू की है.मनपा हेल्थ सेंटर पर भी रैबीज इंजेक्शन मुहैया कराया गया है. कुत्ता से पीड़ित व्यक्ति हेल्थ सेंटर से इंजेक्शन सुविधा ले सकता है. मनपा आरोग्य विभाग 3 वर्ष की खातिर कुत्तों को जरूरी इंजेक्शन देने एवम नसबंदी के लिए टेंडर निकालने की प्रक्रिया शुरू की है.आवारा कुत्तों के रखरखाव के लिए जरूरी जगह ईदगाह खाड़ी स्थित मलमूत्र एसटीपी प्लांट परिसर में मुहैया कराए जाने पर विचार किया जा रहा है.

मुंबई हिट-एंड-रन के आरोपी ने गलत ID दिखाकर शराब पी

- उम्र 24 की जगह 27 साल बताई
- घटना के बाद हुलिया बदलकर पहचान छिपाई

मुंबई. मुंबई के वर्ली हिट-एंड-रन केस में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। जुहू के जिस पब में शिवसेना नेता राजेश शाह के बेटे मिहिर शाह ने एक्सीडेंट से पहले शराब पी थी, उसका दावा है कि वह गलत ID दिखाकर शराब पीने आया था।

सूत्रों ने अनुसार, पब मैनेजमेंट ने आरोप लगाया कि मिहिर शाह ने उन्हें जो पहचान पत्र दिखाया, जिसमें उसकी उम्र 27 साल थी। उसके साथ तीन दोस्त भी आए थे, जिनकी उम्र 30 साल से अधिक है। पुलिस का दावा है कि ऑफिशियल रिकॉर्ड के अनुसार मिहिर 24 साल का है, जबकि शराब पीने की न्यूनतम कानूनी उम्र 25 वर्ष है।

एक्साइज अधिकारियों के सूत्रों ने बताया पब के बिल से पता चला है कि मिहिर शाह और उसके दो दोस्तों ने उस दिन बार में व्हिस्की के 12 बड़े पैग ऑर्डर किए थे। यानी एक युवक ने लगभग चार पैग पिए थे। शराब की इतनी मात्रा किसी को आठ घंटे तक नशे में रख सकती है। मिहिर और उसके दोस्त शनिवार-रविवार को देर रात 1.30 बजे पब से निकले। रविवार (7 जुलाई) को सुबह करीब 5:30 बजे मिहिर शाह ने BMW कार से एक कपल को टक्कर मार दी।

अमिताभ बच्चन की पड़ोसी बनीं कृति सेनन

- 2.25 करोड़ में अलीबाग में खरीदी प्रॉपर्टी
- 3 महीने पहले बिग बी ने यहीं खरीदा था करोड़ों का प्लॉट

एक्ट्रेस कृति सेनन ने अलीबाग में द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा में एक प्रीमियम प्लॉट खरीदा है। इसी के साथ वह अमिताभ बच्चन की पड़ोसी बन गई हैं। सूत्रों की मानें तो 2000 स्क्वायर फीट के इस प्लॉट के लिए, एक्ट्रेस ने तकरीबन 2.25 करोड़ रूपए चुकाए हैं। प्लॉट की रजिस्ट्रेशन प्रोसेस के लिए कृति के पिता राहुल सेनन मौजूद थे।

अपने पहले निवेश के बारे में कृति सेनन ने कहा, 'मुझे खुशी है कि अब मैं अलीबाग की इस जमीन की मालिक हूं। अपनी खुद की जमीन खरीदना मेरे लिए बहुत अधिक मायने रखता है, लंबे समय से मेरी निगाहें अलीबाग पर ही टिकी थीं। मैं ऐसी जगह पर ही निवेश करना चाहती थी, जहां मुझे शांति और प्राइवेसी मिल सके। यहां तक कि मेरे पिता भी इस निवेश से बेहद खुश हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह बेहतरीन लोकेशन है, मांडवा जेट्टी से मात्र 20 मिनट की दूरी पर अलीबाग के बी चों - बी च स्थि त

उल्हास विकास NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास विकास NEWS

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा
उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)
25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000
उल्हास विकास NEWS ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
Thank you
Pageviews yesterday 2,763
Pageviews last month 76,471
Pageviews all time history 1,007,712
Followers 168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099